Dabang Dunia, 04th May 2022, Page – 02

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार हो विकास- केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन, मिलेंगी आधुनिक खेल सुविधाएं

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में थे। उन्होंने आईआईटी परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण किया और बच्चों से मुलाकात की। बच्चों ने कई कलाओं की प्रस्तुति दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिन की शुरुआत बच्चों के साथ हुई। इससे बहुत खुशी मिली। उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक आईआईटी इंदौर को बेंचमार्क स्थापित करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और मंत्री के बीच कई मुद्दों पर चर्चा भी हुई। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान की प्रगति की सराहना की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बहु- विषयक शैक्षिक दृष्टिकोण को जारी रखने का आग्रह किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार संस्थान का विकास और सुविधाएं जुटाए जाने के लिए उन्होंने प्रोफेसर्स से इसके लिए योजना बनाने की अपील की।

आईआईटी परिसर में हाल ही में तैयार हुए इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भी केंद्रीय मंत्री ने उद्घाटन किया। कॉम्प्लेक्स को 4257 वर्ग मीटर के क्षेत्र में तैयार किया गया है। इसमें छह बैंडमिंटन कोर्ट, दो बास्केटबॉल कोर्ट, 580 की क्षमता वाली इंडोर गैलरी, जिम, तीन स्क्वैश कोर्ट और 288 क्षमता की व्यूइंग गैलरी के साथ ओलिंपिक आकार का स्विमिंग पूल है। दूसरे चरण के तहत आउटडोर वालीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट, एथलेटिक्स ट्रैक, फुटबॉल और हॉकी ग्राउंड का भी निर्माण किया जाएगा।

निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया - केंद्रीय मंत्री ने संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्निंग के अध्यक्ष, डीन और रजिस्ट्रार के साथ चर्चा कर संस्थान की उपलब्धियों, दृष्टि दस्तावेज, योजनाओं और बाधाओं पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने मंत्री को मौलिक और वैज्ञानिक अनुसंधान की अपनी मूल शक्ति का प्रदर्शन किया। उन्हें संस्थान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया गया। इसमें शीर्ष राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग को पहले दस संस्थान में लाना है।

अटल टिंकरिंग लैब और मेकर्स स्पेस की होगी स्थापना

संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को सीखने के अनुभव को बढ़ाने की योजना के तहत अटल टिंकरिंग लैब और मेकर्स स्पेस की स्थापना की जाएगी। अधिकारियों ने पिरामिड के निचले हिस्से में लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों के समाधान के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाने के लिए सामाजिक संपर्क कार्यक्रमों के बारे में भी केंद्रीय मंत्री को बताया। संस्थान शोध के कार्यों को बढ़ाने के लिए ट्रांसलेशनल रिसर्च इकोसिस्टम भी स्थापित करेगा।